

**घोड़ानस स्त्री.** (देश.) वह मोटी नस जो पैर में ऐड़ी से ऊपर की ओर गई होती है।

**घोड़िया स्त्री.** (देश.) 1. छोटी घोड़ी 2. दीवार में गड़ी हुई खूंटी जिससे कपड़े लटकाए जाते हैं।

**घोड़ी स्त्री.** (देश.) 1. घोड़े की मादा 2. पायों पर खड़ी काठ की लंबी पटरी जो पानी के घड़े रखने, गोटे पट्टे की बुनाई में तार कसने, सेवई पूरने, सेब बनाने आदि से बहुत से कामों में आती है, पाटा 3. दूर दूर रखे हुए दो जोड़े बाँसों के बीच में बँधी हुई डोरी या अलगनी जिस पर धोबी कपड़े सुखाते हैं 4. विवाह की वह रीति जिसमें दूल्हा घोड़ी पर चढ़कर दुलहिन के घर जाता है मुहा. घोड़ी चढ़ना- बारात में चढ़ना 5. वे गीत जो विवाह में वर पक्ष की ओर से गाए जाते हैं 6. खेल में वह लड़का जिसकी पीठ पर दूसरे लड़के सवार होते हैं 7. जुलाहों का एक औजार जिसमें दोहरे पायों के बीच में एक डंडा लगा रहता है 8. हाथी दाँत का वह छोटा लंबोतरा टुकड़ा जो तंबूरे, सारंगी, सितार आदि में तुंबे के ऊपर लगा रहता है, जवारी।

**घोणस पुं.** (तत्.) एक प्रकार का साँप

**घोणा स्त्री.** (तत्.) नासिका, नाक 2. घोड़े या सूअर का धूँधन 3. उल्लू की चोंच 4. एक पौधा।

**घोनी स्त्री.** (तद्.) शूकर, सूअर।

**घोर पुं.** (तत्.) भयंकर, भयानक, विकराल 2. सघन घना, दुर्गम 3. कठिन 4. गहरा 5. बुरा 6. बहुत अधिक पुं. (तत्.) 1. शिव का एक नाम 2. विष 3. भय 4. पूज्य भाव 5. जाफरान 6. स्कंद के पारिषद् गण की उपाधि स्त्री. (तत्.) शब्द, गर्जन, ध्वनि, आवाज।

**घोरा स्त्री.** (तत्.) 1. श्रवण, चित्रा और शतभिषा नक्षत्रों में बुध की गति 2. रात्रि, रात।

**घोराकार, घोराकृति पुं.** (तत्.) भयानक, डरावना।

**घोल पुं.** (देश.) 1. मथा हुआ दही जिसमें पानी न डाला गया हो, तक्र 2. लस्सी 3. घोल कर बनाई गई वस्तु पुं. (देश.) घोड़ा।

**घोलना पुं.** (देश.) पानी या किसी द्रव पदार्थ में किसी वस्तु को हिलाकर मिलाना, चीनी घोलना,

शरबत घोलना, हल करना मुहा. घोल पीना- घोलकर पीना; घोलकर पी जाना- सहज में मार डालना।

**घोला पुं.** (देश.) वह जो घोल कर बना हो, घोली हुई अफीम।

**घोलुवा वि.** (देश.) घोला हुआ, जो घोल कर बना हो।

**घोष पुं.** (तत्.) अमीरपल्ली, अहीरों की बस्ती 2. अहीर 3. गोशाला 4. बंगाली कायस्थों का एक उपनाम 5. तट 6. ईशान कोण का एक देश 7. शब्द 8. गरजने का शब्द 9. ताल के 60 मुख्य भेदों में से एक 10. शब्दों के उच्चारण में 11 बाह्य प्रयत्नों में से एक, ग, घ, ज, झ, ड, ढ, द, ध, ब, भ ड., ज, ण, न, य, र, ल, व, ह 11. शिव 12. जन्मश्रुति 13. कुटी 14. कांस्य।

**घोषक पुं.** (तत्.) घोषणा या मुनादी करने वाला।

**घोषण पुं.** (तत्.) दे. घोषणा।

**घोषणा स्त्री.** (तत्.) 1. उच्च स्वर से किसी बात की घोषणा 2. राजाज्ञा का प्रचार, मुनादी, गर्जन, ध्वनि, शब्द, आवाज।

**घोषयित्नु पुं.** (तत्.) 1. कोकिला 2. ब्राह्मण 3. घोषणा करने वाला 4. चारण।

**घोषवती स्त्री.** (तत्.) वीणा।

**घोषवत् पुं.** (तत्.) वह शब्द जिसमें घोष प्रयत्न वाले अक्षर अधिक हो।

**घोषा स्त्री.** (तत्.) सौंफ 2. कर्कटशृंगी।

**घोषाल पुं.** (तत्.) बंगाली ब्राह्मणों का उपनाम।

**घोसना स्त्री.** (तद्.) दे. घोषणा (तत्.) घोषित करना, उच्चारित करना।

**घोसी पुं.** (तद्.) अहीर, ग्वाला, दूध बेचने वाला टि. जो अहीर मुसलमान होते हैं वे घोसी कहलाते हैं।

**घ्राणेंद्रिय स्त्री.** (तत्.) नाक, नासिका।

**घ्रात वि.** (तत्.) सूँघा हुआ।

**घ्रातव्य वि.** (तत्.) सूँघने योग्य, जिसे सूँघा जा सके।

**घ्राता वि.** (तत्.) सूँघने वाला।

**घ्राति स्त्री.** (तत्.) 1. सूँघने की क्रिया 2. सौरभ, सुगंध 3. नाक।

**घ्रेय वि.** (तत्.) सूँघने योग्य।